उ. पु. क्रमांक	अनुक्रमांक (अंकों में)	अनुक्रमांक (शब्दों में)
0299975	1197200209	ONE ONE NINE SEVEN TWO ZERO ZERO TWO ZERO NINE

परीक्षार्थी का नाम ANUP KUMAR CHAKRESH

परीक्षा की तिथि	परीक्षा केन्द्र क्रमांक	विषय कोड	विषय का नाम	प्रश्न पत्र सेट
07-03-2019	72003	300	SOCIAL SCIENCE	A

भाग-A

नोट: 1. परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका पर अंकित रोल नंबर, नाम, विषय का कोड, विषय का नाम, परीक्षा दिनांक चैक करके हस्ताक्षर करें तथा छात्र अपना प्रश्न पत्र का सेट अंकित करें।

2. पर्यवेक्षक उत्तर पुस्तिका पर अंकित परीक्षार्थी का नाम एवं रोल नंबर, विषय का कोड, विषय का नाम, परीक्षा की दिनांक चैक करके संबंधित छात्र को संबंधित उत्तर पुस्तिका प्रदान करें तथा भाग A एवं B पर आवश्यक रूप से प्रश्न पत्र सेट को अंकित कराने के पश्चात निर्धारित स्थान पर हस्ताक्षर करें।

अनूप कुमार चक्रेश — परीक्षार्थी के हस्ताक्षर

G. Shsarnkar — पर्यवेक्षक का नाम

पर्यवेक्षक का हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर एवं सील

फ्लेप को यहां पर चिपकायें

भाग-B

(निर्देश पृष्ठ के पीछे की ओर देखें)

परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का सेट अंकित करें।

विषय कोड	300
प्रश्न पत्र सेट A, B, C, लिखें	A
विषय	SOCIAL SCIENCE
परीक्षा का नाम	HIGH SCHOOL MAIN EXAM-2019
माध्यम	HINDI
परीक्षा केन्द्र क्रमांक	72003

परीक्षक द्वारा भरने हेतु

प्रश्न संख्या	प्राप्तांक	प्रश्न संख्या	प्राप्तांक	प्रश्न संख्या	प्राप्तांक
1	1S	11	4	21	
2	2	12	4	22	
3	2	13	4	23	
4	2	14	4	24	
5	2	15	5	25	
6	2	16	5	26	
7	3	17	6	27	
8	3	18	6	28	
9	3	19		29	
10	3	20	1	30	

प्राप्तांक 0 7 5 — (प्राप्तांक शब्दों में) पचहत्तर

पूर्णांक 75

मूल्यांकन केन्द्र क्रमांक 1 0 0 1

हस्ताक्षर उपमुख्य परीक्षक एवं क्रमांक R2100105

3311997

हस्ताक्षर परीक्षक एवं क्रमांक R2100160

हस्ताक्षर मुख्य परीक्षक एवं क्रमांक

www.STUDYDISCUSS.IN

उत्तर ⇒ प्रश्न - 1

(खण्ड - अ)

(i) (स) भूमि ।

(ii) (स) कम होती है।

(iii) (स) कर ।

(iv) (ब) उच्च गुणवत्ता युक्त पौष्टिक आहार ।

(v) (ब) साम्यवादी क्रांति ।

CGBSE

5

5

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 2 के अंक		कुल अंक
5	+	5	=	10

उत्तर ⇒ प्रश्न - 1
(खण्ड - ब)

(i) लौह अयस्क - (स) अनवीकरणीय चक्र ।

(ii) द्वितीय विश्व युद्ध - (अ) 1939 ।

(iii) हिटलर - (ब) नाजीवाद ।

(iv) मूल्यवृद्धि में सहायक - (इ) जमाखोरी, काला बाजारी ।

(v) देशभक्ति पर आधारित फिल्म - (द) पूरब-पश्चिम ।

CGBSE

(5)

5

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 3 के अंक		कुल अंक
10	+	5	=	15

उत्तर ⇒ प्रश्न - 1
(खण्ड - स)

(i) चार 1

(ii) 1914 1

(iii) जापान 1

(iv) टेलीविज़न 1

(v) टेन्स 1

C G B S E

5

5

WWW.STUDYDISCUSS.IN

2019 ④

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 4 के अंक		कुल अंक
15	+	4	=	19

उत्तर ⇒ प्रश्न - 2

उत्तर ⇒ गाँव के विकास के दो लक्ष्य निम्न निम्न है:-

(i) अच्छी सड़कें
(ii) शुद्ध पेयजल की व्यवस्था।
(iii) चिकित्सालय की आम व्यवस्था।

2

उत्तर ⇒ प्रश्न - 3

उत्तर ⇒ किसी गाँव के गरीबों के हितों की व्यवस्था के लिए किये जाने वाले दो कार्य निम्न हैं:-

(i) गरीबों को स्वास्थ्य की सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए।
(ii) गरीबों को भी शासन - प्रशासन संबंधी कार्यों में भाग लेने देना चाहिए।
(iii) गरीबों के शिक्षा की व्यवस्था करानी चाहिए।

2

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

19	+	4	=	23
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 5 के अंक		कुल अंक

[उत्तर => प्रश्न - 4]

उत्तर =>

भारत के दो औद्योगिक प्रदेशों के नाम -

(i) मुंबई - पुणे औद्योगिक प्रदेश।
(ii) हुगली औद्योगिक प्रदेश।

2

[उत्तर => प्रश्न - 5]

उत्तर =>

बाजार से आशय => बाजार का मतलब होता है, "वह स्थान जहाँ व्यक्ति अपनी आवश्यकता की वस्तुओं को खरीदता है तथा वह स्थान जहाँ उत्पादित वस्तुओं को बेचा जाता है" उसे बाजार कहते हैं। बाजार में वस्तुओं के उपभोक्ता होते हैं। जो वहाँ के सामानों को खरीदते हैं। बाजार में व्यापार होता है।

2

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 6 के अंक		कुल अंक
23	+	2	=	25

[उत्तर => प्रश्न - 6]

उत्तर =>

शीत युद्ध => शीत युद्ध का अर्थ होता है " शीत युद्ध में युद्ध जैसी स्थिति बन जाती है, लेकिन वास्तव में युद्ध नहीं होता है।" शीत युद्ध में लगता है कि युद्ध हो ही जायेगा, देश अपनी सैन्य शक्तियों का प्रदर्शन करता है लेकिन युद्ध नहीं होता है।

उदाहरण => शीत युद्ध अमेरिका और रूस के बीच हुआ था।

CGBSE

2

[उत्तर => प्रश्न - 7]

उत्तर =>

पहले आम चुनाव की तीन व्यवस्थाएँ निम्न है -

(i) प्रत्येक उम्मीदवार के लिए अलग-अलग मतदान पेटी रखी गयी।

(ii) प्रत्येक उम्मीदवार के लिए चुनाव चिन्ह आवंटित किये गये।

3 (iii) मतदान केन्द्रों की व्यवस्था करायी गयी तथा मतदाताओं को प्रशिक्षण दिया गया।

3

CGBSE

[उत्तर ⇒ प्रश्न - 8]

उत्तर ⇒

भूमि सुधार आन्दोलन का वियतनाम पर पड़ने वाला तीन प्रभाव निम्न है -

(i) किसानों को जमींदारी प्रथा से मुक्ति ⇒

वियतनाम में भूमि सुधार आंदोलन के कारण हजारों किसान परिवार को जमींदारों से मुक्ति ~~मीलि~~ मीली।

WWW.STUDYDISCUSS.IN

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 8 के अंक	=	कुल अंक
28	+	3	=	31

~~(ii) किसान~~

(ii) किसान अपने जोत के मालिक बने ⇒

वियतनाम में हुए भूमि सुधार आंदोलन के कारण वहाँ के किसान अपने जोत के स्वयं मालिक बने तथा खेती करने लगे।

(iii) कई जमींदारों की हत्या ⇒

वियतनाम में हुए भूमि सुधार आंदोलन के कारण हजारों जमींदारों को मार डाला गया। क्योंकि वे जमीन वितरण के लिए तैयार नहीं थे।

(iv) वियतमिन्ह के समर्थक ⇒

भूमि सुधार के कारण अब वहाँ के किसान वियतमिन्ह के सबसे बड़े समर्थक बन गये। वे भी वियतमिन्ह आंदोलन में वियतमिन्ह का साथ देने लगे।

3

C
G
B
S
E

[उत्तर ⇒ प्रश्न - 9]

उत्तर ⇒

सूचना के अधिकार अधिनियम से मिलने वाले तीन लाभ ⇒

(i) सरकारी रिकार्डों की जानकारी ⇒

सूचना के अधिकार अधिनियम से कोई भी व्यक्ति सरकारी रिकार्डों की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकता है।

(ii) भ्रष्टाचार में कमी ⇒

सूचना के अधिकार अधिनियम के कारण सरकारी कार्यों में होने वाले भ्रष्टाचारों में कमी हुई। लोग डरने लगे

(iii) ~~सरकारी~~ सरकार द्वारा किये गये विकास कार्यों की जानकारी ⇒

सूचना के अधिकार के कारण हम सरकार द्वारा किये गये विकास कार्यों की जानकारी आसानी से सरकारी दस्तावेजों की

3

फोटो-कापी प्राप्त कर सकते हैं। तथा कार्यों की समीक्षा भी कर सकते हैं।

[उत्तर => प्रश्न -10]

उत्तर =>

नगरीय अधिवासों की उत्पत्ति को प्रभावित करने वाले तीन कारक -

(i) धरातलीय स्वरूप =>

नगरीय अधिवासों की उत्पत्ति को प्रभावित करने वाला कारक धरातलीय स्वरूप है, जहाँ भूमि समतल है, उपजाऊ है वहाँ लोग निवास करना पसंद करते हैं।

(ii) परिवहन एवं यातायात =>

परिवहन एवं यातायात के साधनों का जहाँ विकास हुआ है, वहाँ लोग निवास करना पसंद करते हैं, क्योंकि सामानों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में

C G B S E
www.STUDYDISCUSS.IN

34	+	3	=	37
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 11 के अंक		कुल अंक

परिवहन एवं यातायात की प्रमुख भूमिका रहती है।

(ii) जलापूर्ति के स्रोत =)

अधिकतर देखा जाता है कि नगरों नगरों का विकास जलापूर्ति के स्रोतों के समीप ही होता है। वहाँ जल की व्यवस्था रहती है। उदाहरण - विश्व प्रसिद्ध नगर जलापूर्ति के स्रोत के ही पास बसे हैं, जैसे - लंदन - टेम्स नदी आदि।

3

[उत्तर => प्रश्न - 11] (अथवा)

उत्तर =)

बढ़ती हुई जनसंख्या ही पूरे विश्व के विकास में बाधा है। इसके कारण आज कई प्रकार की समस्याओं का ~~सामान~~ सामना करना पड़ रहा है, विश्व का विकास धीमि गति से हो रहा है।

इसके चार प्रभाव निम्न हैं -

CGBSE

(i) कृषि भूमि का विभाजन ⇒

बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण आज लगातार कृषि भूमि का विभाजन होते जा रहा है। भूमि की लगातार कमी होती जा रही है।

(ii) आवास की समस्या ⇒

बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण लोगों की आवास की समस्या उत्पन्न होते जा रही है। लोगों को रहने का स्थान नहीं मिल रहा है।

(iii) वनों की कटाई ⇒

जनसंख्या वृद्धि के कारण आज लगातार वन कटे जा रहें हैं। कहीं आवास बनाने के लिए कहीं कारखाने स्थापित करने के लिए वनों की कटाई की जा रही है।

WWW.STUDYDISCUSS.IN

(iv) प्राकृतिक संसाधनों की कमी ⇒

जनसंख्या की वृद्धि के कारण आज प्राकृतिक संसाधनों जैसे - वन, जल आदि की कमी दिनों-दिन बढ़ते ही जा रही है। लोग जल का अपूर्ण दोहन करते जा रहे हैं जिससे जलस्तर नीचे जा रहा है। लोगों को कई प्रकार की हानिकारक बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस प्रकार जनसंख्या वृद्धि पूरे विश्व के विकास में बाधक है।

4

[उत्तर ⇒ प्रश्न -12] (अथवा)

उत्तर ⇒

जर्मनी युद्ध में जीत जाता तो दुनिया पर निम्न प्रभाव पड़ता इसके चार कारण निम्न हैं -

(i) तानाशाही शासन ⇒ अगर जर्मनी युद्ध में जीत जाता तो विश्व पर तानाशाही शासन का भय उत्पन्न हो जाता है। विश्व पर एक ही देश या व्यक्ति

CGBSE
www.STUDYDISCUSS.IN

का आधिपत्य होता। वह जो चाहे कर सकता था।

(ii) लोकतंत्र की समाप्ति ⇒

जर्मनी में अगर युद्ध में जीत जाता तो विश्व से लोकतंत्र का नामोनिशान मिट जाता। विश्व में केवल तानाशाही या राजशाही शासन ही चलता।

(iii) नागरिक अधिकारों का हनन ⇒

जर्मनी अगर युद्ध में विजयी हो जाता तो वह नागरिक अधिकारों का हनन करने से भी नहीं हिचकता, वह जो चाहे कर सकता था। वह किसी दूसरे का विचार नहीं सुनता। नागरिकों का अधिकार समाप्त हो जाता।

(iv) विश्व का विकास रुक जाता ⇒

जर्मनी युद्ध में जीत जाता तो, वह अपने देश का विकास करता जिसके कारण

2019

(15)

41	+	4	=	45
योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 15 के अंक		कुल अंक

जिसके कारण विश्व के विकास में बाधा उत्पन्न हो जाता या विश्व का विकास ही नहीं होता। पट खनिज संसाधनों का उपयोग अपने देश के लिए ही करता।

4

[उत्तर ⇒ प्रश्न - 13] (अथवा)

5

उत्तर :)

1914 के प्रारंभ हुए युद्ध को विश्व युद्ध कहा जाता है, इसके चार कारण निम्न है -

(i) विश्व के अधिकांश देशों ने युद्ध मे में भाग लिया ⇒

1914 ई० के युद्ध में विश्व के अधिकांश देशों ने भाग लिया। वे अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहे थे। कई प्रकार की संधि और समझौता के कारण विश्व के अधिकांश देशों ने युद्ध में भाग लिया।

CGBSE

www.studydiscuss.in

(ii) अत्यधिक संसाधनों का उपयोग ⇒
1914 ई० के युद्ध में विभिन्न देशों ने अपने संसाधनों को युद्ध में झोंक दिया। इस युद्ध में ~~अत्यधिक~~ अत्य-धिक संसाधनों का उपयोग किया गया।

(iii) हथियारों का उपयोग ⇒
1914 ई० के युद्ध में देशों ने अपने हथियारों का अत्यधिक उपयोग किया। मशीन गन, टैंक, हवाई जहाज आदि कई प्रकार के हथियारों का उपयोग हुआ।

(iv) पूरा विश्व प्रभावित तथा अत्यधिक हानि ⇒
1914 ई० के युद्ध को विश्व युद्ध कहे जाने का प्रमुख कारण यह था कि ~~ह~~ इस युद्ध के कारण पूरा विश्व दहल गया, फ्रांस जैसे देशों को अत्यधिक हानि उठाना पड़ा। लाखों सैनिक, लोग मारे गये। संसाधनों का अंधाधुंध उपयोग किया गया।

CGBSE
www.STUDYDISCUSS.IN

इन निम्नलिखित कारणों के कारण 1914 ई० में प्रारंभ हुए युद्ध को विश्व युद्ध कहा जाता है।

4

[उत्तर ⇒ 15] (अथवा)

उत्तर ⇒

परती भूमि बंजर भूमि से निम्न प्रकार से भिन्न है -

(i) विकास के मामले में ⇒

परती भूमि का विकास किया जा सकता है। क्योंकि परती भूमि में उपजाऊ क्षमता रहती है, लेकिन कम मात्रा में। जिसके कारण किसान उसे 1 वर्ष के लिए छोड़ देते हैं ताकि उसमें उपजाऊ क्षमता वापस आ जाये। जबकी बंजर भूमि में केवल या अधिकतर अकृषि कार्य ही किये जा सकते हैं।

(ii) उत्पादन के मामले में ⇒

उत्पादन के मामले में परती भूमि में फलदार वृक्ष लगाकर उत्पादन किया जा सकता है,

CGBSE

जबकी बंजर भूमि में ऐसा नहीं है। उसमें उत्पादन नहीं किया जा सकता है। उसमें उपजाऊपन नहीं होता है।

(iii) क्षेत्र के मामले में ⇒
क्षेत्र के मामले में परती भूमि का क्षेत्र छोटा होता है जबकी बंजर भूमि का क्षेत्र का विस्तार अत्याधिक होता है।

(iv) कार्य क्षेत्र के मामले में ⇒
कार्य क्षेत्र के मामले में परती भूमि को 1 वर्ष के लिए छोड़कर उसमें दूसरे या तीसरे वर्ष में उत्पादन कार्य प्रारंभ हो जाता है, जबकी बंजर भूमि में केवल अकृषि कार्य जैसे, - कारखाने स्थापित करना आदि कार्य अधिकतर होते हैं।

(v) वनस्पति रोपण के मामले में ⇒
वनस्पति रोपण के क्षेत्र में परती भूमि का विकास किया जा सकता है, मगर बंजर भूमि का विकास नहीं किया जा सकता है।

योग पूर्व पृष्ठ 53 + पृष्ठ 19 के अंक — = कुल अंक 53

[उत्तर ⇒ 15] (अथवा)

उत्तर ⇒

भारत में वैश्वीकरण के पाँच प्रभाव निम्न हैं -

(i) विकल्पों में वृद्धि ⇒

भारत में वैश्वीकरण के कारण हमारे सामने कई विकल्प उपस्थित हो गये हैं। अब हम जो चाहे खरीद सकते हैं उसके विकल्प हमारे सामने मौजूद हैं।

(ii) संसाधनों का उपयोग ⇒

वैश्वीकरण के कारण भारत के संसाधनों का उपयोग हो रहा है। लोग इसका उपयोग कर पा रहे हैं। विभिन्न देश की तकनीकें भारत में आकर संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं।

2019

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 20 के अंक		कुल अंक
53	+	5	=	58

(iii) देश का विकास ⇒

भारत में वैश्वीकरण के कारण हमारे देश का विकास हो रहा है। सड़के, गाड़ियों का कि विकास हो रहा है। हमारा देश अग्रसर हो रहा है।

(iv) विभिन्न देशों के साथ संबंध ⇒

भारत में वैश्वीकरण के कारण भारत देश का संबंध विश्व के अन्य देशों के साथ हो गया है। सूचना का विकास हुआ है।

(v) नकारात्मक प्रभाव ⇒

वैश्वीकरण के कारण भारत में कई क्षेत्र में नकारात्मक प्रभाव भी दिख रहे हैं, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण आदि में वृद्धि दर्ज की भर गई है। कंपनियाँ मजदूरों को स्थायी रखना नहीं चाह रही हैं जिससे हमारा देश बेरोजगारी का शिकार हो रहा है।

5

CGBSE

WWW.STUDYDISCUSS.IN

[उत्तर ⇒ 16] (अथवा)

उत्तर ⇒

भारतीय रिजर्व बैंक के पाँच कार्य निम्न हैं -

(i) वाणिज्यिक बैंक पर नियंत्रण ⇒

भारतीय रिजर्व बैंक वाणिज्यिक बैंक पर नियंत्रण रखती है। यह उसके विभिन्न कार्यों की जानकारी माँगता है तथा उनके कार्यों की समीक्षा करता है।

(ii) बैंकों के लिए नियम निर्धारित करना ⇒

भारतीय रिजर्व बैंक विभिन्न बैंकों के नियमों का निर्धारण करती है। यह उसके कार्य का देख रेख करती है। बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार चलना पड़ता है।

CGBSE
www.STUDYDISCUSS.IN

(iii) वाणिज्यिक बैंकों के ब्याज दर, ऋण दर का निर्धारण => भारतीय रिजर्व बैंक वाणिज्यिक बैंकों के ब्याज दर, ऋण दर आदि का निर्धारण करता है। यह वाणिज्यिक बैंक के विभिन्न खातों का भी समीक्षा करता है।

(iv) मुद्रा पर अंकित मूल्य का निर्धारण => वाणिज्यिक बैंक भारतीय रिजर्व बैंक मुद्रा पर अंकित मूल्य का निर्धारण करता है। यह मुद्रा के प्रचलन पर भी नियंत्रण रखता है।

(v) नकली मुद्रा पर नियंत्रण => भारतीय रिजर्व बैंक का एक प्रमुख काम है नकली मुद्रा के प्रचलन को रोकना। यह नकली मुद्रा पर नियंत्रण करती है।

CGBSE

(vi) वाणिज्यिक बैंकों के कार्यों की समीक्षा ⇒
भारतीय रिजर्व बैंक वाणिज्यिक बैंकों के कार्यों की समीक्षा करता है। उनके कार्यों की जानकारी माँगता है।

5

[उत्तर ⇒ 17] (अथवा)

उत्तर ⇒
महिला मतदाताओं की मतदान की प्रतिशत कम होने के छः कारण हैं –

(i) रुचि न लेना ⇒
कई महिलाओं को लगता है कि मतदान करने से हमें कोई फायदा नहीं होता है जिसके कारण कई महिलायें मतदान करने नहीं जाती हैं।

CGBSE
WWW.STUDYDISCUSS.IN

(ii) पारिवारिक कारण =>

घर में कई लोगों को लगता है कि महिलाओं का मतदान करना जरूरत नहीं है। परिवार वालों की सोच है कि महिलाओं को मतदान करने से कोई मतलब नहीं है। इसलिए वे मतदान करने नहीं जाती है।

(iii) प्राकृतिक बनावट (धरातल का) =>

कई जगहों की प्राकृतिक बनावट ऐसी रहती है जहाँ से जाना बहुत मुश्किल हो जाता है। जैसे - पहाड़, नदी, नाले, जंगल आदि कई ऐसे जगह हैं जहाँ की प्राकृतिक बनावट (धरातल का बनावट) अच्छा नहीं रहता है। जिसके कारण मतदान प्रभावित होता है।

(iv) अशिक्षा =>

आज भी हमारे देश में लोग शिक्षित नहीं है। खास कर महिलायें। जिसके कारण भी वे मतदान में भाग नहीं लेती हैं।

CGBSE

WWW.STUDYDISCUSS.IN

(v) गरीबी द्वारा मतदान प्रभावित ⇒

अधिकतर ग्रामीण इलाकों में गरीबी देखने को मिलता है। महिलायें गरीबी के कारण शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाती है, जिसके कारण वे जानती भी नहीं है कि मतदान होता है क्या है। यह भी एक प्रमुख कारण है जो महिला मतदाता प्रतिशत को कम करता है।

(vi) रूढ़ीवादी विचार या पारिवारिक सोच ⇒

कई घरों में रूढ़ीवादी विचारधारा के कारण महिलाओं को मतदान करने नहीं दिया जाता है। उन्हें घर में रहने के लिए कहा जाता है। बाहरी कार्यों से उनका कोई मतलब नहीं रहता है। परिवार में ऐसे ही सोच के कारण महिला मतदाता प्रतिशत में कमी है।

6

6

CGBSE

[उत्तर => 16] (अथवा)

उत्तर =>
प्रधानमंत्री की नियुक्ति "राष्ट्रपति" करता है।

प्रधानमंत्री के कार्य =>

(i) मंत्रिपरिषद की रचना =>
प्रधानमंत्री का प्रथम कार्य है, मंत्रिपरिषद की रचना करना। वह इस कार्य हेतु विभिन्न मंत्रियों से सलाह या परामर्श भी करता है। लेकिन निर्णय प्रधानमंत्री को लेना पड़ता है।

(ii) प्रधानमंत्री नीति/आयोग का पदेन अध्यक्ष होता है =>
प्रधानमंत्री द्वारा संचालित नीति/आयोग का प्रट वह स्वयं पदेन अध्यक्ष होता है। उसी के द्वारा ही प्रधानमंत्री नीति/आयोग का संचालन किया जाता है। वह उसका मुखिया होता है।

CGBSE
www.STUDYDISCUSS.IN

(iii) विभागों का वितरण =>

प्रधानमंत्री विभिन्न मंत्रियों के बीच विभागों का वितरण करता है। वह मंत्रियों के विभागों का वितरण स्वयं करता है, तथा उस विभाग से संबंधित मंत्री की नियुक्ति भी स्वयं करता है।

(iv) देश का प्रधान प्रवक्ता तथा ~~लोकसभा~~ लोकसभा का नेता =>

प्रधानमंत्री देश का प्रधान प्रवक्ता होता है, वह किसी भी विषय पर बोल सकता है। प्रधानमंत्री लोकसभा का नेता होता है। वह लोकसभा के मंत्रियों के कार्यों की समीक्षा भी कर सकता है।

(v) मंत्रियों को सलाह देना =>

प्रधानमंत्री मंत्रियों को सलाह देता है तथा उनके द्वारा किये गये कार्यों की जानकारियाँ भी माँगता है। वह मंत्रियों को उपदेश देता है।

CGBSE
www.studydiscuss.in

(vi) भारत का प्रतिनिधित्व =>

प्रधानमंत्री विभिन्न स्थानों जैसे विदेश नीति या गुटनिरपेक्ष नीति हो आदि कई जगहों पर भारत का प्रतिनिधित्व करता है।

(vii) उपाधियों का वितरण =>

प्रधानमंत्री उच्च उपाधियों जैसे पद्मभूषण आदि कई प्रकार के उपाधियों के लिए राष्ट्रपति को नाम प्रस्तावित करता है।

6

CGBSE
www.STUDYDISCUSS.IN

2019

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 40 के अंक		कुल अंक
75	+	–	=	75

75/75

75/75 Seventy five only

R2100105711

पचहत्तर

R210010160

C G B S E

WWW.STUDYDISCUSS.IN